August 2014

TODAY

(NEWSLETTER OF EURASIA REIYUKAI)

Year : 2, Vol. 14 www.eurasiareiyukai.com

साथ-साथ खुश होकर, साथ-साथ कृतज्ञ होकर औरों के सुख को अपनी खुशी के रूप में बनायें।
आत्मबल को दृढ बनाने के कार्यान्वयन से सद्धर्मपुण्डरीक सूत्र के फूल खिलते हैं।
- गुरू को रोकु ज्यू तोकु जेन् न्यो

"समाज को मानवीय भावना से परिवर्तन करते जायें"

मिहाता जिम्मेवार शिवुचो श्री रोशनकृष्ण न्याछ्यौ, यूराशिया रेयूकाई ११वीं शाखा

हम सब "चलें मिलियन, तुरंत कार्यान्वयन" को कार्यान्वयन करने का महान् मौका प्राप्त करते आ रहे हैं। संस्थापक अध्यक्ष जी ने अपने मार्गनिर्देशन में कहा हैं "वर्तमान में जितने सदस्य बने हैं, वह सभी सदस्य चला करें।" कर्म का सम्बन्ध रहने वाले सभी सदस्यों के घर में सोकाइम्यो विराजमान करने का मौका प्राप्त करना होगा, सूत्रपाठ करने का स्वरुप निर्माण करना होगा, आप स्वयं भी चलें। आज तक बोधिसत्व की भावना जागृत नहीं हुए व्यक्तियों में बोधिसत्व की भावना जागृत कराना ही मिलियन अभियान है। जैसे भी हो, मिलियन अभियान को, एक दिन भी हो सके शीघ्र, आलसी न बनकर एवं आज का स्वयं बनकर सभी को इसे सफल बनाने में हार्दिक सहयोग करने की अपील करना चाहता हूँ।

सभी के उत्साह लेने की बात, अभ्यास को मौका के रुप में कार्यान्वयन करने की बात एवं परिणाम को दिखाने की बात हम सदस्यों को नहीं भूलनी चाहिए। भौतिक विकास से जल, थल एवं आकाश पर विजय प्राप्त कर लिया, फिर भी महाप्रकृति का तेजी के साथ विनाश होता आ रहा है। आज की अवस्था में मानव को केवल आंखों से दिखाई पडने वाले सुख में मात्र संतुष्ट न होकर इस समाज को ही मानवीय भावना से परिवर्तन करते जाने की बात महत्वपूर्ण है। मानवीय जीवनयापन के तरीके में ही परिवर्तन नहीं करने तक आज की इस भयावह परिस्थिति में परिवर्तन नहीं लाया जा सकता।

सर्वप्रथम हम सभी यदि मानवीय भावना का विकास एवं परिवर्तन करते हैं तो हमारे समाज एवं देश का भी विकास होता आता है । जलवायु परिवर्तन के कारण बेमौसम में आंधी-तूफान, भू-स्खलन, भू-क्षरण, बाढ, भूकम्प आदि के कारण विनाश में दिन प्रति दिन वृद्धि होती जा रही है। ऐसा न हो, हम सदस्य इसके लिए मौसम के प्रति कामना करने का मौका प्राप्त करते आ रहे हैं।

सद्धर्मपुण्डरीक सूत्र को अभ्यास करने का मौका पाकर आध्यात्मिक संसार से संरक्षण प्राप्त कर सकने लायक कार्यान्वयन करने का मौका हमें अवश्य प्राप्त करना होगा। आध्यात्मिक संसार की बातें केवल दिमाग में मात्र समझने की बात न होकर इसे स्वयं द्वारा अपने कार्यान्वयन करने में उतारकर परिणाम दिखाते जाने की बात महत्वपूर्ण है ।

यूराशिया रेयूकाई ११वीं शाखा का मुख्य हाल, धोबीधारा

अन्त में हम सभी एकजुट होकर संस्थापक जी के मार्गनिर्देशन की छांव में रहकर दृढतापूर्वक अभ्यास करने का मौका पाकर १८ नवम्बर २०१४ को आयोजित होने वाले महागुरु काकुतारो कुबोजी की ७१वें पुण्यतिथि स्मरण समारोह एवं यूराशिया रेयूकाई के भव्य मिलन समारोह तक "चलें मिलियन, तुरंत कार्यान्वयन" को कार्यान्वयन करने का मौका पाकर परिणाम और प्रतिफल दिखायें।

समाज के लिए योगदान करें

स्पाउस शिवुचो श्रीमती मनिला न्याछ्यौ यूराशिया रेयूकाई ११वीं शाखा

"यूराशिया रेयूकाई केवल प्रयास मात्र ही नहीं करता, प्रत्येक काम को अभ्यास के रुप में लेकर कार्यान्वयन करने का मौका प्राप्त करता है" संस्थापक अध्यक्ष जी के इस मार्गनिर्देशन को ग्रहण करने का मौका पाकर यूराशिया रेयूकाई हस्तकला केन्द्र में मुमा हिरोको मासुनागा जी के संरक्षण एवं सक्रियता में हस्तकला केन्द्र में प्रशिक्षण एवं तालिम कार्यक्रम संचालित होता आ रहा है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से सक्षम प्रशिक्षक तैयार कर विभिन्न क्षेत्रों में जाकर ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को दक्ष बनाकर एवं उन्हें कला सिखाकर स्वावलंबी व आत्मनिर्भर बनाकर, महिलाएं भी देश में परिवर्तन ला सकती है, इस बात के प्रति गौरव करने में लगकर अपने रहने बाले समाज, अपने रहने वाले देश में परिवर्तन करते जायें, ऐसी हमारी अपील है।

महिला सदस्याओं को भी देश के बारे में सोचने, उन्हें देशभक्ति की भावना जगाने में लगाकर, स्वयं अपनी ओर से क्रियाशील होकर समाज में लगकर, स्वयं अपनी ओर से भी क्रियाशील होकर, समाज में योगदान करुंगी, इस प्रकार की भावना लेकर तालिम और दक्षता ग्रहण कर, केवल प्रयास ही नहीं, किसी भी कार्य को अभ्यास के रुप में कार्यान्वयन करने की भावना लेकर आज से ही परिवर्तन लाने का मौका पाकर, हस्तकला केन्द्र में आयोजित होने वाले विभिन्न प्रशिक्षण एवं दक्षता कार्यक्रमों में सहयोगी होकर एक कुशल प्रशिक्षक बनें।

गुरु को रोकु ज्यू तोकु जेन् न्यो जी का नौवां पुण्यतिथि स्मरण समारोह संपन्न

२० जुलाई २०१४ को हमारे गुरु को रोकु ज्यू तोकु जेन् न्यो जी का नौवां पुण्यतिथि स्मरण समारोह यूराशिया रेयूकाई की सभी मिहाता शाखाओं, सभी समाज विकास केन्द्रों एवं रेयूकाई म्यानमार एवं बांग्लादेश में भव्यतापूर्वक आयोजित करने का मौका प्राप्त हुआ ।

खुशी का अनुभव

नाम: सुश्री गृष्मा के. सी.
उपाधि: जुन होजाशु
ओया: श्रीमती सुजाता बस्नेत
शिबुचो: श्रीमती गौरी गजुरेल
क्षेत्र: कीर्तिपुर, काठमांडू (नेपाल)
मिहाता शाखा: यूराशिया रेयूकाई २५वीं शाखा

सभी को नमस्कार !

१० नवम्बर २०११ को मेरी मिचिबिकी ओया श्रीमती सुजाता बस्नेत के माध्यम से मुझे रेयूकाई की सदस्यता ग्रहण करने का मौका प्राप्त हुआ। मैं अपनी शिबुचो श्रीमती गौरी गजुरेल के मार्गनिर्देशन एवं सहयोग प्राप्त कर आज एक जुन-हाजाशु के रुप में अभ्यास करने का मौका प्राप्त कर रही हूँ।

रेयूकाई शिक्षा के बारे में थोडा समझी कि सीखने की भावना, कृतज्ञता की भावना एवं क्षमा की भावना अपने में लागू कर अपनी बुरी भावनाओं में परिवर्तन कर अपने सदस्यों में भी परिवर्तन का दीप जलाने का मौका प्राप्त करने पर मैं अपने को भाग्यवान मानती हूँ। विभिन्न कार्यक्रमों एवं मिलनों में सहभागी होकर रेयूकाई शिक्षा को और नजदीक से समझने का मौका पाकर पूर्वजों को याद करते हुए, उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए, उनका स्मरण करने का महान् मौका रेयूकाई शिक्षा के अभ्यास द्वारा प्राप्त हुआ है। अपने अग्रजों से मैं वास्तविक शिक्षा, दक्षता और सोच भी ग्रहण करने का मौका प्राप्त कर रही हूँ। स्वयं युवा होने के कारण युवा शक्ति को प्रेरित करने सदृश प्रशिक्षण, शिक्षा एवं समाज के काम आने वाली देशभक्ति की भावना जागृत करने वाले कार्य स्वयं एवं अपने सदस्यों में जागृत कराने की बातें मिलनों तथा मार्गनिदेंशनों से प्रेरणा के रुप में प्राप्त करती आ र ही हूँ। कोई जाति, धर्म, पेशा से अलग, गरीब-अमीर किसी का भेदभाव न करते हुए एक स्वच्छ समाज का विकास करने वाली इस यूराशिया रेयूकाई की सदस्य बनकर अभ्यास करने का मौका प्राप्त करने पर स्वयं को काफी गौरवान्वित अनुभव करती हूँ। 'चलें मिलियन, तुरंत कार्यान्वयन' अभियान को लागू कर स्वयं में रहने वाले ज्ञान को औरों में बांटकर अभ्यास करती जा रही हूँ।

'यूराशिया रेयूकाई, मेरा गौरव' की भावना लेकर रेयूकाई शिक्षा का अभ्यास करने का मौका पाकर अपने घर, समाज तथा सदस्यों को भी इसे लागू करने में लगाकर मैं एक उदाहरणीय महिला बनना चाहती हूँ। पूर्वज स्मरण की इस शिक्षा को कार्यान्वयन कर अभ्यास करने का मौका पाकर मैं काफी खुशी का अनुभव कर रही हूँ। इसलिए युवा शक्ति को सक्रिय करते हुए बुरी भावना को हटाकर कमल रुपी स्वच्छ विचार स्वयं तथा सदस्यों में लागू करवाने की प्रतिज्ञा करती हूँ। धन्यवाद ! नमस्कार !!

भू-स्खलन (Landslide)

विशेष कर वर्षा के मौसम में भू-स्खलन होकर जमीन का भाग अपने पूर्व स्थान से खिसक कर दूसरे स्थान पर बिखर जाया करता है। जमीन फटकर पानी का श्रोत फूट जाने के कारण भी भू-स्खलन होता है। इस भू-स्खलन की विपत्ति को कम से कम करने तथा इसकी रोकथाम के लिए समय रहते ध्यान देना आवश्यक है। भू-स्खलन के कारण नेपाल तथा भारत के विभिन्न क्षेत्रों में धन-जन की प्रचुर क्षति होती है। योजनाबद्ध तरीके से भू-गर्भीय जल का संरक्षण एवं वृक्षारोपण कर सकने पर बाढ एवं भू-स्खलन से होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है।

भू-स्खलन के पूर्व संकेत

१. अचानक जमीन से फूटकर जल का श्रोत बन जाना।
२. जमीन का कोई हिस्सा अपने पूर्व स्थान से खिसकना या धंसना।
३. जमीन में दरार आना आदि।

भू-स्खलन होने पर क्या करें ?

१. भू-स्खलन की संभावना या संकेत मिलते ही सुरक्षित स्थान पर चले जायें।
२. जीवन रक्षा के लिए एवं विपत्तिग्रस्त लोगों को बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाएं।
३. प्राथमिक उपचार तथा उद्धार करने वाली टोली को सूचित करें
४. भू-स्खलन की संभावना एवं संकेत मिलने पर शीघ्र उद्धार के बारे में पहल करें।
५. स्थानीय उद्धार श्रोतों एवं साधनों को यथाशीघ्र संचालित करें आदि।

शिबुचो अभ्यास कार्यक्रम संपन्न

२८ जून २०१४, रविवार को यूराशिया रेयूकाई के तत्वावधान में भारत देश के शिबुचोगण का एक अभ्यास कार्यक्रम यूराशिया रेयूकाई प्रधान कार्यालय सिलीगुडी में यूराशिया रेयूकाई की मिहाता विराजमान कराकर संपन्न किया गया। उक्त अभ्यास कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष श्री युशुन मासुनागा जी एवं मुमा हिरोको मासुनागा जी द्वारा मार्गनिर्देशन प्रदान किया गया।

ब्लू लोटस अभ्यास कार्यक्रम

२७ जून २०१४, शुक्रवार को सिलीगुडी (भारत) में एवं १३ जुलाई २०१४, रविवार को सानेपा (नेपाल) में ब्लू लोटस जनों का अभ्यास कार्यक्रम संपन्न हुआ। अभ्यास कार्यक्रम में यूराशिया रेयूकाई संस्थापक अध्यक्ष श्री युशुन मासुनागा जी एवं मुमा श्रीमती हिरोको मासुनागा जी द्वारा मार्गनिर्देशन प्रदान किया गया।

क्रिस्टल का थैला बनाने का प्रशिक्षण सम्पन्न

७ जुलाई २०१४ को यूराशिया रेयूकाई हस्तकला केन्द्र सानेपा द्वारा आयोजित क्रिस्टल का थैला बनाने का प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ। मुमा हिरोको मासुनागा जी की उपस्थिति में सुश्री सानु कुमारी थापा के प्रशिक्षण में प्रत्येक मिहाता शाखा द्वारा २-२ जन लेकर कुल २० लोगों की सहभागिता में यह संपन्न हुआ।

भू-स्खलन की रोकथाम हेतु क्या करें ?

१. भू-स्खलन एवं भू-क्षरण रोकने के लिए प्रचुर वृक्षारोपण करें।
२. भू-स्खलन वाले संभावित क्षेत्रों की पहचान करें।
३. बाढ प्रभावितों के उद्धार एवं राहत कार्यों के लिए आवश्यक सामाग्रियों की पहले से ही व्यवस्था रखें।
४. उद्धारकर्मियों एवं स्वयंसेवकों की सूची संकलन कर के तैयार रखें आदि।